वी0आर0ए0एल0 राजकीय महिला महाविद्यालय,बरेली।

दिनांकः 16.06.2020

एक भारत–श्रेष्ठ भारत का स्वप्न और बदलते सामाजिक–सांस्कृतिक आयाम

वी.आर.ए.एल. राजकीय महिला महाविद्यालय, बरेली में दिनांक 16.06.2020 को "एक भारत–श्रेष्ठ भारत का स्वप्न और बदलते सामाजिक–सांस्कृतिक आयाम" पर वेब विमर्श का आयोजन गूगल मीट के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ श्री सचिन गिहार (नोडल अधिकारी) "एक भारत श्रेष्ठ भारत" द्वारा महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों, विशिष्ट अतिथि, मुख्य वक्ताओं देश भर के प्रतिभागी शिक्षको, शोधार्थियों व छात्र–छात्राओं को वेब विमर्श हेतु सम्मिलित करके किया गया। डॉ0 रन्जू राठौर (सह–संयोजिका) द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 सन्ध्या सक्सेना से कार्यक्रम प्रारम्भ करने की अनुमति लेने के साथ विषय के सम्बन्ध में अवगत कराने हेतु अनुरोध किया गया। प्राचार्या द्वारा डॉ0 वन्दना शर्मा (मुख्य संरक्षिका/निदेशक, उच्च शिक्षा) का अभिनन्दन, विशिष्ट अतिथि, मुख्य वक्ताओं शिक्षा जगत के सुधि विद्वानों का स्वागत करते हुए बताया गया कि कोविड–19 के विरूद्ध समस्त शिक्षक समाज, समाज को जीवंत बनाये रखने में प्रयासरत है, प्राचार्या महोदया द्वारा कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती मनदीप कौर, सहायक केन्द्र निदेशक आकाशवाणी, रामपुर तथा प्रो0 इला शाह– विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल के व्यक्तित्व तथा कृतित्व के सम्बन्ध में चर्चा करते हुए दोनों विदुषी वक्ताओं तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ0 राजेश प्रकाश, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, बरेली का हार्दिक स्वागत किया गया। प्राचार्या ने कहा कि वर्तमान परिवर्तित होते सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश में एक भारत की परिकल्पना चुनौती पूर्ण हैं किन्तु इसी कठिन राह पर चलते हुए हम कोविड–19 के विरूद्ध संघर्ष कर पायेंगे।

श्रीमती हेमलता द्वारा डॉ0 राजेश प्रकाश, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, बरेली का परिचय देते हुए वेब विमर्श हेतु आशीर्वचन का अनुरोध किया गया। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, बरेली महोदय द्वारा वेबिनार के आयोजन हेतु महाविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए बताया गया कि आने वाला समय अत्यन्त चुनौतीपूर्ण हैं, निकट भविष्य मे परीक्षायें भी आयोजित होनी हैं, हमें इस बात को गंभीरता से लेना है कि कोविड महामारी से छात्र–छात्राओं व स्टाफ को कैसे बचाये, इसके लिये चिन्तन करना पड़ेगा। डॉ0 रन्जू राठौर के अनुरोध पर कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 संजय बरनवाल द्वारा विषय के पाँच पदों "एक भारत, श्रेष्ठ भारत, स्वप्न, बदलते तथा सामाजिक सांस्कृतिक आयाम का विश्लेषण किया गया। डॉ0 भूपेन्द्र द्वारा कार्यक्रम की मुख्य वक्ताओं श्रीमती मन्दीप कौर तथा प्रो0 इला शाह का परिचय देकर विषय सम्बन्धी विचार व्यक्त करने हेतु अनुरोध किया गया। श्रीमती मन्दीप कौर ने **"अरूण–मेघ–उत्तर प्रदेश : आओ देखें अपना देश"** पर विमर्श करते हुए कहा कि भारत भौगोलिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं अन्य विविधताओं का देश है। जब देश आजाद हुआ था तब वह 562 रजवाड़ा

Scanned by CamScanner

या रियासतों में विभाजित था। तब देश की एकता, अखण्डता एवं समरसता के लिए सरदार बल्लभाई पटेल ने अथक प्रयत्न किये तथा एक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। इसीलिए "एक भारत श्रेष्ठ भारत" अभियान को लौह पुरूष सरदार पटेल के 140वें जन्म दिवस पर आरम्भ किया गया। वक्ता के द्वारा अरूणाचल प्रदेश, मेघालय तथा उ0प्र0 के बारे में भौगोलिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिस्थितियों का ऐसा सजीव वर्णन किया गया, जिससे लगता था कि प्रतिभागी अरूणाचल व मेघालय में ही विचरण कर रहे हों। अरूणाचल व मेघालय की जनजातियों के मातृसत्तात्मक परिवारों की सामाजिक सांस्कृतिक व आर्थिक स्थिति के बारे में भी विस्तार से बताया गया। यहाँ निवास करने वाली विभिन्न जनजातियों की अपनी अलग सांस्कृतिक पहचान है। इसी सांस्कृतिक पहचान को सम्पूर्ण देश के समक्ष लाना "एक भारत श्रेष्ठ भारत" अभियान का उद्देश्य है।

कार्यक्रम की दूसरी मुख्य वक्ता प्रो0 इला शाह द्वारा "कोविड–19 के सन्दर्भ में परिवर्तित होता सामाजिक परिवेश" शीर्षक से अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया गया कि कोई भी महामारी दुनिया की दशा और दिशा बदलकर हमारे सामने परिवर्तन खड़ा कर देती है, जिससे कोई अछूता नहीं रह पाता वैज्ञानिक अभी महामारी से छुटकारे की बैक्सीन नहीं खोज पाये हैं प्रतिलोम पलायन हो रहा है, रोजगार, शिक्षा, खेती–किसानी सभी प्रभावित हो रहे हैं,, ट्रेन, बस, हवाई–यात्रायें सीमित हैं, कर्मचारियों की वेतन वृद्धि एवं भत्ते भी प्रभावित हुए हैं, अस्वाभाविक व्यक्ति संवेदना का ह्रास, परीक्षा की प्रक्रिया से बच्चों एवं अभिभावकों में अवसाद, ऑनलाइन शिक्षा में नैट की अनुपलब्धता, बच्चों में होने वाला मानसिक दवाब तथा आर्थिक अनिश्चितता आदि बहुत सी चुनौतियाँ समक्ष हैं। रोग संक्रमण, तनाव, अवसाद व घबराहट उत्पन्न कर रहा है। ऐसे में सभी लोगों को इस बदलते सामाजिक परिवेश के अनुरूप अपने आप को ढालना है। प्रो0 शाह द्वारा कोविड–19 महामारी के सकारात्मक प्रभावों की भी चर्चा की गयी। इस अवधि में परिवार को एक साथ रहने का अवसर मिला है, वातावरण में शुद्धता आई है, आत्म–निर्भरता की अवधारणा को बढ़ावा मिला है, मितव्ययता की प्रवृत्ति बढ़ी है, लघु एवं कुटीर उद्योग पुनः विकसित होने की स्थिति नहीं है। मुख्य वक्ताओं के व्याख्यान के उपरान्त डॉ0 फौजिया खान द्वारा प्रतिभागिओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों को प्रस्तुत किया गया, जिनका वक्ताओं द्वारा विद्वतापूर्ण निवारण किया गया।

वेब विमर्श के अंत में श्री इतवारी लाल, एसो0प्रो0–इतिहास विभाग द्वारा मुख्य वक्ताओं, विशिष्ट अतिथि तथा समस्त प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन किया गया। श्रीमती प्रीति गोयल, श्री पंकज अग्रवाल एवं श्री रौकीर अहमद खान ने मीडिया संकलन में सहयोग दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय परिवार के समस्त शिक्षकों व कर्मचारियों का योगदान रहा।

प्राचार्या

प्राचार्या
बी० आर० ए० एल०
राजकीय महिला महाविद्यालय
बरेली।

Scanned by CamScanner